संगीत- गायन में स्नातक(बी0ए0)

उद्देश्य - *इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को गायन शैलियों, विष्णु दिगम्बर स्वरलिपि पद्धति, पाठ्यक्रम के रागों एवं प्रसिद्ध गायकों के जीवन से अवगत कराना है तथा पाठ्यक्रमानुसार गायन के प्रयोगात्मक पक्ष की शिक्षा प्रदान करना है।*

तृतीय सेमेस्टर कोर कोर्स का पाठ्यक्रम

क्र0 सं0	कोर्स शीर्षक	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
1	**हिन्दुस्तानी संगीत की शैलियाँ - गायन एवं प्रयोगात्मक**	**BAMV(N)-201**	**100**	**4**
प्रथम खण्ड	**हिन्दुस्तानी संगीत की शैलियाँ - गायन**		**50**	**2**
	इकाई 1- तराना, त्रिवट, गजल, कव्वाली, सादरा, चतुरंग, सरगम गीत, लक्षण गीत, कजरी एवं चैती का अध्ययन ; ध्रुपद की उत्पत्ति, विकास एवं घराने।			
	इकाई 2- विष्णु दिगम्बर स्वरलिपि पद्धति का परिचय एवं भातखण्डे स्वरलिपि पद्धति से तुलना।			
	इकाई 3- संगीतज्ञों का जीवन परिचय (पं0 तानसेन, उ0 अमीर खुसरो, उ0 हद्दू खाँ, उ0 हस्सू खाँ)।			
	इकाई 4- संगीत सम्बन्धी विषयों पर निबन्ध।			
	इकाई 5- पाठ्यक्रम के रागों विहाग, बागेश्री एवं वृन्दावनी सारंग का परिचय, स्वर विस्तार एवं स्वर समूह के माध्यम से राग पहचानना तथा उनमें विलम्बित ख्याल एवं मध्यलय ख्याल को तानों सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 6- पाठ्यक्रम के रागों विहाग, बागेश्री एवं वृन्दावनी सारंग में ध्रुपद, दुगुन एवं चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 7 - पाठयक्रम की तालों झपताल एवं धमार ताल का परिचय एवं बोल समूह द्वारा ताल पहचानना ; पाठयक्रम की तालों झपताल एवं धमार ताल के ठेके को दुगुन, तिगुन एवं चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
द्वितीय खण्ड	**प्रयोगात्मक**		**50**	**2**
	इकाई 8- राग बिहाग एवं बागेश्री का परिचय एवं स्वर विस्तार।			
	इकाई 9- राग बिहाग एवं बागेश्री में विलम्बित एवं मध्यलय ख्याल आलाप एवं तानों सहित ।			
	इकाई 10- राग वृन्दावनी सारंग का परिचय एवं स्वर विस्तार।			
	इकाई 11- राग वृन्दावनी सारंग में मध्यलय ख्याल, आलाप एवं तानों सहित ।			
	इकाई 12- पाठ्यक्रम के रागों विहाग, बागेश्री एवं वृन्दावनी सारंग में से किसी एक में ध्रुपद दुगुन एवं चौगुन लयकारी सहित।			
	इकाई 13- पाठ्यक्रम की तालों झपताल एवं धमार ताल की पढन्त।			
	इकाई 14- पाठ्यक्रम की तालों झपताल एवं धमार ताल के ठेकों को दुगुन, तिगुन व चौगुन लयकारी में पढ़ना।			
	इकाई 15- पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			

राग - विहाग, बागेश्री एवं वृन्दावनी सारंग **ताल – झपताल एवं धमार**

नोट- पूर्व सेमेस्टरों के पाठ्यक्रम (प्रयोगात्मक) की पुनरावृत्ति